प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी,
जनपद–मेरठ,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांक–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./2022–23/एस.एस.भ्रमण / 29 दिनांकः 03.4.2023

विषयः–दिनांक 13 मार्च से 17 मार्च 2023 तक सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया मिशन निदेशक महोदया के पत्र संख्या– एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0/एम0एण्ड ई0/2022–23/04/2566–2 दिनांक 19.07.2022 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके माध्यम से राज्य स्तरीय टीम द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के अर्न्तगत जनपद के भ्रमण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

अवगत कराना है कि मिशन निदेशक महोदया, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, लखनऊ, उ0प्र0 के उक्त निर्देशों के क्रम में राज्य स्तरीय टीम के द्वारा दिनांक 13 मार्च से 17 मार्च 2023 तक जनपद मेरठ का भ्रमण किया गया एवं संचालित स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढीकरण किये जाने के सम्बन्ध में राज्य स्तरीय टीम द्वारा आख्या तैयार की गयी है।

उक्त आख्या इस पत्र के साथ संलग्न कर आपको इस निर्देश के साथ प्रेषित है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही कराते हुये बिन्दुवार अनुपालन आख्या इस कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीया,

Aparna. J

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

पत्रांक–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./2022–23/एस.एस.भ्रमण/ तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु–

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ, उ0प्र0।
2. महानिदेशक, परिवार कल्याण, महानिदेशालय, लखनऊ, उ0प्र0।
3. जिलाधिकारी, जनपद–मेरठ, उ0प्र0।
4. समस्त महाप्रबन्धक, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, लखनऊ, उ0प्र0।
5. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मण्डल–मेरठ, उ0प्र0।
6. मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मण्डल–मेरठ, उ0प्र0।
7. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक जनपद–मेरठ, उ0प्र0।

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी,
जनपद–मेरठ,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांक–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./2022–23/एस.एस.भ्रमण / दिनांक: 3.4., 2023

विषयः–दिनांक 13 मार्च से 17 मार्च 2023 तक सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया मिशन निदेशक महोदया के पत्र संख्या– एस0पी0एम0यू0/एन0एच0एम0/एम0एण्ड ई0/2022–23/04/2566–2 दिनांक 19.07.2022 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके माध्यम से राज्य स्तरीय टीम द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के अर्न्तगत जनपद के भ्रमण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

अवगत कराना है कि मिशन निदेशक महोदया, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, लखनऊ, उ0प्र0 के उक्त निर्देशों के कम में राज्य स्तरीय टीम के द्वारा दिनांक 13 मार्च से 17 मार्च 2023 तक जनपद मेरठ का भ्रमण किया गया एवं संचालित स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढीकरण किये जाने के सम्बन्ध में राज्य स्तरीय टीम द्वारा आख्या तैयार की गयी है।

उक्त आख्या इस पत्र के साथ संलग्न कर आपको इस निर्देश के साथ प्रेषित है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही कराते हुये बिन्दुवार अनुपालन आख्या इस कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीया,

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

पत्रांक–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./2022–23/एस.एस.भ्रमण/ 28-7 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु–

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य भवन, लखनऊ, उ0प्र0।
2. महानिदेशक, परिवार कल्याण, महानिदेशालय, लखनऊ, उ0प्र0।
3. जिलाधिकारी, जनपद–मेरठ, उ0प्र0।
4. समस्त महाप्रबन्धक, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, लखनऊ, उ0प्र0।
5. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मण्डल–मेरठ, उ0प्र0।
6. मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मण्डल–मेरठ, उ0प्र0।
7. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक जनपद–मेरठ, उ0प्र0।

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण आख्या जनपद–मेरठ

मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 के पत्र संख्या SPMU/NHM/M&E/2022-23/04/2566-2 दिनांक 19.07.2022 में दिए गए निर्देशों के अनुपालनार्थ दिनांक 13-17 मार्च, 2023 को भ्रमण दल द्वारा जनपद–मेरठ का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया। भ्रमण दल के सदस्यों का विवरण निम्नानुसार है:–

भ्रमण दल के सदस्य–

1. प्रभाकर शाक्या, तकनीकी सलाहकार, एम०एण्ड ई0।
2. संतोष कुमार भारती, कार्यक्रम समन्वयक, आर0आई0।

मुख्य संपर्क अधिकारी:

- मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जनपद–मेरठ।
- अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, आर0 सी0 एच0, जनपद–मेरठ।
- जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, जनपद–मेरठ।
- मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला संयुक्त चिकित्सालय, जनपद–मेरठ।
- अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जानी खुर्द (पांचली) जनपद–मेरठ।
- अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मवाना, जनपद–मेरठ।

मुख्य चिकित्साधिकारी जनपद–मेरठ, की अध्यक्षता में प्रातः कालीन बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, आर0 सी0 एच0, एवं अन्य विभागो के नोडल आफिसर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक मौजूद थे। बैठक के दौरान राज्य स्तरीय टीम द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद–मेरठ में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर के साथ वी0एच0एन0डी0/ यू0एच0एन0डी0 सत्रों का भ्रमण किया जाना है। साथ ही नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत चलाये जा रहे विशेष टीकाकरण पखवाडा के तृतीय चरण के सत्रों का भ्रमण किया जाना है। भ्रमण पश्चात फीडबैक से अवगत कराया जायेगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जानी खुर्द (पांचली) जनपद–मेरठ

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैम्पस में पार्किंग सुव्यवस्थित नही थी।	• पार्किंग सुव्यवस्थित करने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
• सिटीजन चार्टर लगाया गया था परन्तु पूर्ण रूप से विजिबल नही था।	• सिटीजन चार्टर को किसी ऐसी जगह लगाने का सुझाव दिया गया जहा से विजिबल हो।	
• आ0ई0सी0 का प्रर्दशन, कार्यकम की सूचनाएं एवं दीवार लेखन का प्रर्दशन मानकानुसार कम था।	• जनमानस हित से जुडें आ0ई0सी0 का प्रर्दशन एवं कार्यकम की सूचनाएं दीवार लेखन के माध्यम से प्रदर्शित किये जाने का सुझाव दिया गया।	
• सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्टाफ लैब में उपस्थित थे। लैब पूर्ण रूप से सकिय थी आवश्यक जॉचे भी की जा रही थी।		
• औषधिया FIFO के अनुसार व्यवस्थित नही थी तथा भण्डार का अभिलेखीकरण उचित नही था।	• औषधिया को थ्थ्ट के अनुसार व्यवस्थित करने एवं फर्मासिस्ट को पोर्टल हेतु अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	
• फर्मासिस्ट को DVDMS पोर्टल की जानकारी नही थी।		
• ओ0टी0 में साफ–सफाई काफी समय से नही की गयी थी। स्टाफ द्वारा बताया गया की ओ0टी0 का उपयोग केवल कैंप के समय किया जाता है।	• ओ0टी0 में रेगुलर सफाई कराये जाने का सुझाव दिया गया।	

• कोल्ड चेंन रूम में साफ–सफाई अच्छी थी। 2 ILR और 4 DF कियाशील थे। • कोल्ड चेंन में नियमित टीकाकरण और विशेष टीकाकरण पखवाडा का माइकोप्लान भी मौजूद था।		
• कोल्ड चेंन में 6 में से 3 स्टेबलाइजर खराब पाये गये। ILR और DF के लागबुक में सुपरवाइजर विजिट के कालम में सुपरवाइजर के हस्ताक्षर नही किये जा रहे थे।	• खराब पाये गये स्टेबलाइजर को रेफ्रिजरेटर मैकेनिक की मदद से ठीक कराने एवं लागबुक में सुपरवाइजर विजिट के कालम में सुपरवाइजर के हस्ताक्षर कराये जाने का सुझाव दिया गया।	
• कोल्ड चेंन में Fire Extinguisher रिफिल नही था। • BCG एवं पोलियो की वैक्सीन के स्टाक को स्टाक रजिस्टर और ई–विन में मिलान कर फिजिकल वेरिफाई भी किया गया जिसमें वैक्सीन का काउन्ट सही पाया गया। • यू0आई0पी0 के अन्तर्गत दी जाने वाली सभी वैक्सीन की उपलब्धता थी।	• Fire Extinguisher को जल्द से जल्द रिफिल कराने को कहा गया।	
• प्रसव कक्ष में कार्यरत स्टाफ नर्स द्वारा केश शीट में पेशेन्ट की सम्पूर्ण जानकारी को पूर्ण रूप से नही भरा जा रहा था।	• प्रसव कक्ष में कार्यरत स्टाफ नर्स केश शीट को पूर्ण रूप से भरे जाने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
• मरीज को प्रसव उपरांत 48 घण्टें से पहले ही डिस्चार्ज कर दिया जा रहा था।	• स्टाफ नर्स को मरीज को प्रसव के 48 घण्टें पश्चात ही डिस्चार्ज करने का सुझाव दिया गया।	
• डाईट रजिस्टर में मरीजो को दिये जाने वाले डाईट का विवरण नही भरा जा रहा था।	• डाईट रजिस्टर में मरीजो को दिये जाने वाले डाईट का सम्पूर्ण विवरण भरने का सुझाव दिया गया।	
• स्ट्रेलाईजेशल हेतु कुल 4 आटोक्लेव थे परन्तु 2 ही कियाशील थे। स्टाफ नर्स द्वारा बताया गया की 2 खराब पडे आटोक्लेव का कम्पलेन Syrex एजेन्सी को कर दिया गया है।	• एजेन्सी से लगातार फालोअप कर खराब पडे आटोक्लेव को ठीक कराने का सुझाव दिया गया।	
• प्रसव कक्ष में Foetoscope, Inj.Labetalol, Inj.Magnesium Sulphate की उपलब्धता नही थी।	• प्रसव कक्ष में आवश्यक दवाईया एवं इंजेक्सन की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का सुझाव दिया गया।	
• मरीजो की लम्बाई नापने हेतु हाईट स्केल नही था।	• मरीजो की लम्बाई नापने हेतु हाईट स्केल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने अथवा दिवाल पर ही निसान बना का स्केल के रूप में यूज करने का सुझाव दिया गया।	

विशेष टीकाकरण पखवाडा

1. **विशेष टीकाकरण सत्र स्थल–मास्टर मुबारक का घर, मुहल्ला–मिर्ची वाली गली, सब सेंटर–सिवाल II, ब्लाक–जानी अर्बन यूनिट–**

- सत्र स्थल पर ए0एन0एम0 गुडडी एवं लिंक वर्कर अलका देवी उपस्थित थी।
- सत्र स्थल पर छाया वीएचएनडी का बैनर उपलब्ध था।
- सर्वे के अनुसार 0–5 वर्ष के 80 बच्चों की लाइन लिस्टिंग की गयी थी।
- सर्वे राज्य स्तर से उपलब्ध कराये गये फार्मेट पर नही किया गया था।
- सर्वे किये गये बच्चों की प्रविष्टि ई–कवच पोर्टल पर नही की गयी थी।
- सत्र स्थल पर अपडेटेड डयूलिस्ट उपलब्ध थी।
  - डयूलिस्ट के अनुसार कुल 51 बच्चो का टीकाकरण किया जाना था भ्रमण के समय तक केवल 1 बच्चे का टीकाकरण किया गया था। ए0एन0एम0 द्वारा बताया गया कि इस मुहल्ले मे अधिकांश इनकार वाले परिवार है जो कि लिंक वर्कर द्वारा बार–बार बुलाने पर भी टीकाकरण के लिए नही आते है।
- ए0एन0एम0 के द्वारा किये गये 1 बच्चे के टीकाकरण को भी ई–कवच पर प्रविष्टि नही किया गया था।
- सत्र स्थल पर सभी वैक्सीन उपलब्ध थी। फंक्सनल हब कटर, लाल–काला थैला, वजन मशीन, जिंक टैबलेट आदि उपलब्ध था।
- पी0सी0एम0 सीरप 125 एम0जी0 उपलब्ध नही था।
- एनाफ्लैक्सिस कीट था।
- 2–5 वर्ष के बच्चों के लिये विशेष टीकाकरण पखवाड़ा कार्ड, एम0सी0पी0 कार्ड, टैली शीट उपलब्ध था।

2. **विशेष टीकाकरण सत्र स्थल– उस्मान का घर, मुहल्ला–धोबी वाली गली, सब सेंटर–सिवाल III, ब्लाक–जानी अर्बन यूनिट–**

- सत्र स्थल पर ए0एन0एम0 रेनू वर्मा एवं लिंक वर्कर सुनिता देवी उपस्थित थी।
- सत्र स्थल पर छाया वीएचएनडी का बैनर उपलब्ध था।
- सर्वे के अनुसार 0–5 वर्ष के 51 बच्चों की लाइन लिस्टिंग की गयी थी।
- सर्वे राज्य स्तर से उपलब्ध कराये गये फार्मेट पर किया गया था। परन्तु सर्वे के बाद समरी सूची सी0एच0सी0 कार्यालय में जमा की गयी है।
- सर्वे किये गये बच्चों की प्रविष्टि ई–कवच पोर्टल पर की गयी थी।
- सत्र स्थल पर अपडेटेड डयूलिस्ट उपलब्ध थी।
  - डयूलिस्ट के अनुसार कुल 16 बच्चो का टीकाकरण किया जाना था भ्रमण के समय तक कुल 9 बच्चों का टीकाकरण किया गया था।
  - ए0एन0एम0 के द्वारा टीकाकरण किये गये बच्चों की ई–कवच पर रियल टाइम प्रविष्टि नही किया जा रहा था।
- सत्र स्थल पर सभी वैक्सीन उपलब्ध थी। फंक्सनल हब कटर, लाल–काला थैला, वजन मशीन, जिंक टैबलेट आदि उपलब्ध था।
- पी0सी0एम0 सीरप 125 एम0जी0 उपलब्ध नही था।
- एनाफ्लैक्सिस कीट था।
- 2–5 वर्ष के बच्चों के लिये विशेष टीकाकरण पखवाड़ा कार्ड, एम0सी0पी0 कार्ड, टैली शीट उपलब्ध था।

Sankar Prabhakar

एच0डब्लू0सी0 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सिवाल खास, ब्लाक–जानी

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिवाल खास पर ब्राडिंग किया गया था। • प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भ्रमण के समय अधिकांश स्टाफ अनुपस्थित पाया गया। उपस्थित स्टाफ अपने निर्धारित ड्रेस कोड में नही थे। • चिकित्सालय में सफाई का अभाव देखने को मिला। • आ0ई0सी0 का प्रर्दशन, कार्यकम की सूचनाएं एवं दीवार लेखन का प्रर्दशन मानकानुसार कम था। • चिकित्सालय परिसर मे काफी जगह थी, किन्तु उसके सापेक्ष जगह का समुचित उपयोग नहीं किया गया था। परिसर काफी अव्यवस्थित था। • प्रभारी चिकित्साधिकारी के कक्ष में चिकित्सालय द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं व उपलब्धियों से जुड़ी जानकारी प्रदर्शित नहीं थी। • चिकित्सालय परिसर मे लगा डिस्प्ले बोर्ड पर किसी प्रकार की कोई सूचना अंकित नहीं था। • परिवार नियोजन से सम्बन्धित कुछ योजनाओं– एफ0पी0एल0आई0एम0एस0, पी0सी0पी0एन0डी0टी0 आदि जनमानस हित से जुडें कार्यकम की सूचना प्रदर्शित नहीं थी। • प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्टाफ लैब में उपस्थित थे। लैब पूर्ण रूप से सकिय थी आवश्यक जॉचे भी की जा रही थी। • चिकित्सालय परिसर में कंडोम बाक्स नहीं पाया गया।	• स्टाफ को अपने निर्धारित ड्रेस कोड में उपस्थित रहने का सुझाव दिया गया। • दल द्वारा परिसर में कार्यरत सफाई कर्मचारी के माध्यम से प्रतिदिन कम से कम 02 बार व्यापक सफाई कराने का सुझाव दिया गया। • जनमानस हित से जुडें कार्यकम की सूचनाएं दीवार लेखन के माध्यम से प्रदर्शित किये जाने का सुझाव दिया गया। • कंडोम बाक्स लगाने का जाने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी

पी0एल0 शर्मा जिला चिकित्सालय, जनपद–मेरठ

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• जिला चिकित्सालय में साफ सफाई अच्छी थी। • जिला चिकित्सालय में एक फिल्टर क्लिनिक सकिय था। जिसका मुख्य उद्देश्य चिकित्सालय में आये मरीजो की स्क्रीनिंग कर उनकी बिमारी से संबंधित ओ0पी0डी0 में भेजना एवं जनरल मरीजो को फिल्टर क्लिनिक में ही देखना। • फिल्टर क्लिनिक में प्रत्येक माह औसतन लगभग 1000 मरीजो की स्क्रीनिंग की जा रही थी। • जिला चिकित्सालय में लैब पूर्ण रूप से सकिय थी। सभी आवश्यक जॉच की जा रही थी। • लैब में आपरेटर द्वारा बार कोड भी जनरेट किया जा रहा था।	• जिला चिकित्सालय में चलाये जा रहे फिल्टर क्लिनिक को लगातार सकिय रखने का सुझाव दिया गया जिससे चिकित्सालय में आये मरीजो को अनावश्यक इधर उधर भटकना ना पडे।	चिकित्सा अधीक्षक / डी0पी0एम0

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• जिला चिकित्सालय में फिजियोथेरेपी वार्ड भी पूर्ण रूप से सक्रिय था। प्रत्येक दिन औसतन लगभग 25 मरीजो की फिजियोथेरेपी की जा रही थी। • फिजियोथेरेपी वार्ड में कार्यरत स्टाफ कार्य के प्रति सक्रिय थे। • जिला चिकित्सालय के मेल मेडिकल वार्ड में साफ सफाई अच्छी थी। • इंडोर पेशेन्ट का इनिशियल एसेसमेंट किया जा रहा था परन्तु चेकलिस्ट में पेशेन्ट के नाम के अतिरिक्त अन्य डिटेल नही भरी जा रही थी। • वार्ड में भर्त्ती मरीजो को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा था तथा रजिस्टर भी मेंटेन किया जा रहा था। • जिला चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड में एक ट्राईएज एरिया बनाया गया था। जिसमें मरीजो को उनकी अवस्था के अनुसार चार रंगो में विभाजित किया गया था। • इमरजेंसी ट्रे का रख–रखाव बहुत ही व्यवस्थित था। दवाईयो की लिस्ट भी लगायी गयी थी। • इमरजेंसी वार्ड के स्टाफ अपने कार्य के प्रति सक्रिय थे। • इमरजेंसी वार्ड में 30 से ज्यादा रजिस्टर बनाये गये थे और सभी रजिस्टर में भ्रमण तिथि तक डिटेल भरे गये थे। • एन0आर0सी0 में कुल 06 बच्चे एडमिट थे। • एन0आर0सी0 में साफ सफाई अच्छी थी। • बच्चों के खेलने का स्थान भी बनाया गया था। • एन0आर0सी0 में अभिलेखो का रख रखाव सही नही पाया गया और अभिलेख प्रर्दशित नही की गयी। • चीफ फर्मासिस्ट को DVDMS पोर्टल की जानकारी नही थी। • चीफ फर्मासिस्ट द्वारा औषधिया का इंडेट खुद न करके किसी और से कराया जा रहा था। • स्टोर में औषधिया रैक में रखी गयी थी और रैक पर स्लिप भी लगायी गयी थी। • औषधिया FIFO के अनुसार व्यवस्थित थी तथा भण्डार का अभिलेखीकरण सही था। • स्टोर में कुछ जगहो पर सीलन देखने को मिला।	• इंडोर पेशेन्ट का इनिशियल एसेसमेंट किये जा रहे पेशेन्ट का पूर्ण डिटेल चेकलिस्ट में भरे जाने का सुझाव दिया • इमरजेंसी ट्रे का रख–रखाव मेंटेंन रखने का सुझाव दिया गया। • एन0आर0सी0 में अभिलेखो को सही रखने का सुझाव दिया गया। • फर्मासिस्ट को पोर्टल हेतु अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया। • चीफ फर्मासिस्ट को औषधिया का इंडेट खुद न करने का सुझाव दिया गया। • सीलन वाली जगह पर किसी भी प्रकार की औषधियो को न रखने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक / डी0पी0एम0

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुलिस लाईन, जनपद–मेरठ

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर साफ–सफाई उत्तम थी। • नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ब्राडिंग किया गया था लेकिन और आ0ई0सी0 की आवश्यकता थी। • नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर फार्मासिस्ट का पद रिक्त है।	• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर साफ–सफाई बनाये रखने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर औषधियो का वितरण सभी स्टाफ के द्वारा किया जा रहा था। • नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर औषधियो पर मुहर नही लगी थी। • औषधियो का वितरण कर रहे स्टाफ को DVDMS पोर्टल की जानकारी नही थी।	• सभी स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर लैब टेक्निशियन कार्यरत थी। लैब पूर्ण रूप से सक्रिय थी आवश्यक जॉचे भी की जा रही थी। • CBC उपकरण न होने के कारण की जॉच नही की जा रही थी। • माइक्रोस्कोप उपकरण नही था और मलेरिया, थायराइड जॉच हेतु किट उपलब्ध नही थी।	• CBC उपकरण के साथ माइक्रोस्कोप और अन्य जॉच हेतु किट को इंडेंट कर मंगाये जाने का सुझाव दिया गया।	
• ओ0टी0 क्रियाशिल नही था और बिजली की व्यवस्था नही थी। • परिवार नियोजन से जुडें कार्यकम का संचालन एवं वितरण किया जा रहा था। • नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कोल्ड चेन हेतु कमरा नही था। ILR और DF बारामदे में रखे गये थे। • ड्राई स्पेस हेतु अलग से कमरा नही था। • कोल्ड चेंन में नियमित टीकाकरण और विशेष टीकाकरण पखवाडा का माइक्रोप्लान मौजूद था। • कोल्ड चेंन में Fire Extinguisher था।	• ओ0टी0 में बिजली की व्यवस्था कराये जाने का सुझाव दिया गया।	
• BCG एवं पोलियो की वैक्सीन के स्टाक को स्टाक रजिस्टर और ई–विन में मिलान कर फिजिकल वेरिफाई भी किया गया जिसमें वैक्सीन का काउन्ट सही पाया गया। • यू0आई0पी0 के अन्तर्गत दी जाने वाली सभी वैक्सीन की उपलब्धता थी। • सत्र स्थल पर वैक्सीन ए0वी0डी0 के माध्यम से भेजी जा रही थी।	• वैक्सीन का स्टाक रजिस्टर और ई–विन में वैक्सीन के काउंट में हमेशा एकरूपता रखने का सुझाव दिया गया।	
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कुल 21 बच्चों का टीकाकरण किया गया था लेकिन उनमें से मात्र 10 बच्चों की इंट्री ई–कवच पर की गयी थी।	• ए0एन0एम0 द्वारा बताया गया कि टीकाकरण उपरान्त शेष बच्चों की इंट्री ई–कवच पर कर लेगे। ए0एन0एम0 को टीकाकरण की रियल टाइम इंट्री ई–कवच पर किये जाने का सुझाव दिया गया।	

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मवाना, जनपद–मेरठ

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• वायामेंडिकल वेस्ट का प्रबंधन रोजाना किया जा रहा था। • PICU क्लिनिक का संचालन बहुत ही अच्छे ढंग से किया जा रहा था और साफ–सफाई बहुत ही अच्छी थी। • जनरल वार्ड अव्यवस्थित होने के कारण PICU वार्ड को जनरल वार्ड के रूप में प्रयोग किया जा रहा था। • प्रसव कक्ष में कार्यरत स्टाफ नर्स द्वारा केश शीट में पेशेन्ट की सम्पूर्ण जानकारी को पूर्ण रूप से नही भरा जा रहा था। • केश शीट में आर0सी0एच0 नम्बर अंकित नही किया जा रहा था और पार्टोग्रफ भी नही भरा जा रहा था। • औषधि कक्ष में औषधिया FIFO के अनुसार व्यवस्थित नही थी तथा चीफ फर्मासिस्ट को DVDMS पोर्टल की जानकारी नही थी। • ओ0टी0 में वायामेंडिकल वेस्ट प्रबंधन हेतु उचित व्यवस्था नही थी। • ओ0टी0 हेतु स्ट्रेलाईजेशन किया जा रहा था और रजिस्टर भी मेंटेन किया जा रहा था परन्तु ओ0टी0 टेक्निशियन को भी उन्मुखीकरण की आवश्यकता है। • पी0एन0सी0 वार्ड, ए0एन0सी0 वार्ड में वायामेंडिकल वेस्ट प्रबंधन हेतु उचित व्यवस्था नही थी। • कोल्ड चेन में हेल्थ सुपरवाइजर कैलाश द्वारा कोल्ड चेन हैण्डलर का कार्य किया जा रहा था। • कोल्ड चेंन रूम में साफ–सफाई अच्छी थी। 2 ILR और 4 DF कियाशील थे। • कोल्ड चेंन में नियमित टीकाकरण और विशेष टीकाकरण पखवाडा का माइक्रोप्लान भी मौजूद था। • ILR और DF के लागबुक में सुपरवाइजर विजिट के कालम में सुपरवाइजर के हस्ताक्षर नही किये जा रहे थे। • कोल्ड चेंन में Fire Extinguisher और Exhaust fan लगाये गये थे। • BCG और एम0आर0 वैक्सीन के स्टाक को स्टाक रजिस्टर और ई–विन में मिलान कर फिजिकल वेरिफाई भी किया गया जिसमें वैक्सीन का काउन्ट सही पाया गया।	• जनरल वार्ड को व्यवस्थित कर प्रयोग किये जाने एवं PICU वार्ड को पूर्ण रूप से बच्चों हेतु उपयोग में लिए जाने का सुझाव दिया गया। • प्रसव कक्ष में कार्यरत स्टाफ नर्स केश शीट को पूर्ण रूप से भरे जाने का सुझाव दिया गया। • ओ0टी0 में वायामेंडिकल वेस्ट प्रबंधन हेतु उचित व्यवस्था कराने का सुझाव दिया गया। • ओ0टी0 टेक्निशियन का उन्मुखीकरण कराने का सुझाव दिया गया। • कोल्ड चेंन रूम में साफ–सफाई बनाये रखने का सुझाव दिया गया। • वैक्सीन का स्टाक रजिस्टर और ई–विन में वैक्सीन के काउंट में हमेशा एकरूपता रखने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0पी0एम0

Sadaf Prabhakar

हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर, ग्राम–गड़ीना, ब्लाक–मवाना, जनपद–मेरठ

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर ग्राम गड़ीना के सब सेन्टर पर स्थित है। • सेन्टर पर सी0एच0ओ0 शिखा पुडेंर कार्यरत है। सी0एच0ओ0 को इस सेन्टर पर लगभग 01 वर्ष हो गया है। • सेन्टर पर पावर बैक अप की सुविधा हेतु इन्वर्टर की सुविधा थी। • सेन्टर पर रनिंग वाटर की सुविधा नही थी। • सेन्टर पर सी0एच0ओ0 द्वारा टेलिकंसलटेशन प्रतिदिन किया जा रहा था। सी0एच0ओ0 द्वारा अवगत कराया गया कि प्रत्येक कार्य दिवस पर 5 या 5 से अधिक भी मरीजो का टेलिकंसलटेशन कराया जा रहा है। • सी0एच0ओ0 द्वारा मरीजो को विभिन्न प्रकार की जॉच जैसे–सिफलिस, यूरिन प्रेगनेन्सी टेस्ट, डेन्गू, एच0वी0एस0 ए0जी0 एवं एच0आई0वी0 टेस्ट की सेवाये प्रदान की जा रही थी। • सेन्टर पर परिवार नियोजन की सेवाएं भी प्रदान की जा रही थी। जिनका रिकार्ड व्यवस्थित पाया गया। • अन्य अभिलेख भी व्यवस्थित थे तथा उसमें सूचनाएं विधिवत अंकित पाई गई। • सेन्टर पर 01 ए0एन0एम0 की भी तैनाती थी। • सेन्टर पर कण्डोम बाक्स नहीं पाया गया। • परिसर में बाहर की ओर योग एवं प्रतिक्षालय भी बनाया गया है। • सेन्टर पर ए0एन0एम0 द्वारा प्रथम बुधवार को टीकाकरण किया जाता है।	• रनिंग वाटर की सुविधा हेतु डी0पी0एम0 द्वारा ग्राम प्रधान से बात की गयी। ग्राम प्रधान द्वारा जल्द से जल्द रनिंग वाटर की सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। • टीम द्वारा इसी प्रकार रिकार्ड व्यवस्था सुचारू रूप से बनाए रखने का सुझाव दिया गयां। • कण्डोम बाक्स लगाने का सुझाव दिया गया।	डी0पी0एम0 / प्रभारी चिकित्साधिकारी

हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर, ग्राम–पिलौना, ब्लाक–मवाना, जनपद–मेरठ

अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर ग्राम पिलौना के सबसेन्टर पर स्थित है। • सेन्टर पर सी0एच0ओ0 अनामिका शर्मा लगभग 01 वर्ष से कार्यरत है। • हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर ग्राम पिलौना पर ब्राडिंग का कार्य किया जा रहा था। वर्तमान में सी0एच0ओ0 द्वारा समस्त सेवाये पास में स्थित पंचायत भवन में प्रदान की जा रही थी। • हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर पर रनिंग वाटर की सुविधा थी। • सी0एच0ओ0 द्वारा अवगत कराया गया कि पंचायत भवन में भी प्रतिदिन टेलिकंसलटेशन किया जा रहा है। • सी0एच0ओ0 द्वारा अवगत कराया गया कि मरीजो को विभिन्न जॉच जैसे–सिफलिस टेस्ट, यूरिन प्रेगनेन्सी टेस्ट, डेन्गू, एच0वी0एस0 ए0जी0 एवं एच0आई0वी0 टेस्ट की सेवाये प्रदान की जाती है। • सी0एच0ओ0 द्वारा अवगत कराया गया कि सेन्टर पर परिवार नियोजन की सेवाएं भी प्रदान की जा रही थी। • सेन्टर पर 01 ए0एन0एम0 की भी तैनाती थी। • परिसर में बाहर की ओर योग एवं प्रतिक्षालय भी बनाया गया है।	हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर ब्राडिंग का कार्य पूर्ण होने के पश्चात समस्त सेवाये हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर प्रदान का सुझाव दिया गया।	डी0पी0एम0 / प्रभारी चिकित्साधिकारी

मुख्य चिकित्साधिकारी जनपद–मेरठ, की अध्यक्षता में सायं कालीन बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, आर0 सी0 एच0, एवं अन्य विभागो के नोडल आफिसर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक मौजूद रहे। बैठक में राज्य स्तरीय टीम द्वारा भ्रमण किये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर के साथ नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत चलाये जा रहे विशेष टीकाकरण पखवाडा सत्रों के कमियों व किये गये सुधारात्मक प्रयासों के बारे में अवगत कराया गया।

मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय द्वारा प्राप्त फीडबैक एवं चिकित्सा इकाईयों में इंगित कमियों के सापेक्ष शीघ्र कार्यवाही कर उन कमियों को दूर किये जाने हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने तथा उसकी आख्या उपलब्ध कराए जाने हेतु आश्वासन दिया गया।

Santosh

(संतोष कुमार भारती)
कार्यक्रम समन्वयक, आर0आई0

Prabhakar

(प्रभाकर शाक्या)
तकनीकी सलाहकार, एम0एण्ड ई0